प्रथम प्रश्नावली

D.El.Ed IInd Sem — 9 May 2020, Saturday

प्रमुख शैक्षिक विचारधाराएँ
Main Educational Thoughts
आदर्शवाद (Idealism)

भारत के प्राचीनतम ग्रन्थ 'वेद' भारतीय आदर्शवादी विचारधारा के मूल स्रोत हैं। जो 'भारतीय दर्शन का आधार' हैं। आदिकाल से भारत की विचारधारा आदर्शवाद पर आधारित रही है। इसके प्रवर्तक 'सुकरात' तथा 'प्लेटो' आदि रहे हैं। वर्तमान काल में हीगल, 'काण्ट', 'कमेनियस', 'पेस्टालॉजी' तथा 'फ्रोबेल' ने इसे शिक्षा में प्रयोग किया है।

'आदर्शवाद' का अर्थ — "अन्तिम सत्ता मानसिक / आध्यात्मिक है।"

[आदर्शवाद के सिद्धान्त]

1. जो कुछ संसार देता है वही वास्तविक है।
2. आत्मा निर्णय सच्चे जीवन का सार है।
3. जीवन का सर्वोच्च रूप अन्तर्दृष्टि है।
4. रॉस ने इन गुणों को निरपेक्ष बताया है।

आदर्शवाद के गुण

⇒ अध्यापक कुशल मार्गदर्शक।
⇒ आत्मानुभूति आदर्श व्यक्ति निर्माण का प्रेरक तत्व
⇒ बालक स्वतन्त्र रूप से विचारों की अभिव्यक्ति।
⇒ आत्म-नियन्त्रण एवं स्वतन्त्रता में सामंजस्य स्थापित करना।

आदर्शवाद के दोष

⇒ अध्यापक का प्रमुख स्थान।
⇒ बालक गौण स्थान।
⇒ शिक्षक सक्रिय बालक निष्क्रिय।
⇒ बिना करके सीखना असम्भव।

शिक्षा पर प्रभाव

⇒ बालक में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सांस्कृतिक मूल्यों का भी विकास।
⇒ नैतिकता व कर्तव्यनिष्ठता का पाठ पढ़ाना (बालक को)
⇒ सिद्धान्तों का सहारा।

Scanned with CamScanner

मुख्य प्रणालियाँ

आदर्शवाद एवं शिक्षा के उद्देश्य

(1) पवित्र जीवन की प्राप्ति का उद्देश्य। (4) सांस्कृतिक परम्पराओं के विकास का उद्देश्य।

(2) आत्मानुभूति का उद्देश्य।

(3) आध्यात्मिक विकास का उद्देश्य

आदर्शवाद और शिक्षक

(1) आत्मसाक्षात्कार / आत्मानुभूति हेतु शिक्षा।

(2) बौद्धिक जागरूकता के लिए शिक्षक का महत्व।

(3) सम्पन्न व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक का महत्व।

आदर्शवाद और विद्यालय

→ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु अच्छा वातावरण।

→ सामाजिक कल्याण से सम्बन्धित समस्या तथा समाधान।

आदर्शवाद तथा पाठ्यक्रम

→ संस्कृति तथा सभ्यता का प्रतीक

→ पाठ्यक्रम में उच्च आदर्शों, अनुभवों, विचारों को स्थान देना।

→ जीवन का सर्वोच्च आदर्श।

→ पाठ्यक्रम में भौतिक एवं सामाजिक अनुभव सम्मिलित करना।

अनुशासन और आदर्शवाद

अनुशासन का प्रारम्भ ⇒ बाह्य रूप। उसका अन्त → आन्तरिक रूप।

आदर्शवाद और शिक्षण विधि

'प्रश्न विधि' महत्वपूर्ण जनक 'सुकरात'।

प्रमुख शिक्षा शास्त्री — रूसो, फ्रोबेल, पेस्टालॉजी, किलपैट्रिक, डॉल्टन।

आदर्शवाद के प्रकार

1 ⇒ आत्मनिष्ठ आदर्शवाद प्रवर्तक → बिशप बर्कले (इंग्लैण्ड)

2 ⇒ नैतिक आदर्शवाद।

3 ⇒ प्रपंचवाद → समर्थक 'काण्ट'।

4 ⇒ निरपेक्ष आदर्शवाद → फिक्टे, हीगल।

5 ⇒ बहुलवाद → लाइबनीज।

भारतीय विचारधारा के अनुसार आदर्शवाद।

- अद्वैतवाद — 'स्वामी शंकराचार्य'
- द्वैतवाद — 'स्वामी माध्वाचार्य'
- अनेकवाद / बहुलवाद — ब्रह्म + जीव + प्रकृति (तीनों की सत्ता)